


22.11.24

पत्रावली पेश हुई। न्यायालय समय में अधिवक्ता वादी व वादीगण के नाम से अलग - अलग समय पर तीन बार आवाज दिलाई गई। इससे स्पष्ट प्रतीत होता है कि अधिवक्ता वादी एवं वादीगण अपने वाद को लेकर गंभीर नहीं हैं।

लिहाजा वादी का वाद 'अदम पेश्वी' व 'अदम हाजिरी' में खारिज किया जाता है।

पत्रावली फ़ैसल शुमार होकर दारिअल दफ़्तर हो व नम्बर से कम हो।

  
सहायक कलक्टर  
(फास्ट ट्रेक) बाडमेर

